भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2326

बुधवार, 21 दिसम्बर, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

डिजिटल वाणिज्य के लिए ओपन नेटवर्क

2326. श्री गजानन कीर्तिकर:
श्री जी. सेल्वम:
श्री धनुष एम. कुमार:
श्री सी.एन. अन्नादुरई:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) डिजिटल वाणिज्य के लिए नये ओपन नेटवर्क (ओएनडीसी) परियोजना की मुख्य विशेषताएं क्या हैं;
(ख) ओएनडीसी छोटे विक्रेताओं, व्यापारियों और किसानों को ई-कॉमर्स में बड़ी कंपनियों के समान भागीदारी प्रदान करने में किस प्रकार सहायता करेगा;
(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान देश में मान्यता प्राप्त स्टार्टअपों की संख्या में कितनी वृद्धि हुई है और उक्त ओएनडीसी किस प्रकार देश में नए स्टार्टअपों और ब्रिक-एंड-मोर्टार स्टोरों को सशक्त और पोषित करेगा;
(घ) क्या ओएनडीसी ने पूरी कृषि मूल्य श्रृंखला को ई-कॉमर्स, विशेषकर किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), मंडियों, प्रसंस्करणकर्ताओं, निर्यातकों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों और छोटे खुदरा विक्रेताओं के साथ जोड़ने के लिए कदम उठाए हैं;
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) क्या ओएनडीसी ने खुले ई-कॉमर्स नेटवर्क को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि क्षेत्र पर "ग्रैंड हैकाथॉन" का आयोजन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या परिणाम निकले?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सोम प्रकाश)

(क): ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) का उद्देश्य वस्तुओं और सेवाओं के आदान-प्रदान के सभी पहलुओं के लिए डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर ओपन नेटवर्क को बढ़ावा देना है। ओएनडीसी ओपन-सोर्स मेथडलॉजी पर आधारित है जिसमें ऐसे ओपन स्पेसिफिकेशन और ओपन नेटवर्क प्रोटोकॉल का उपयोग किया जाना है जो किसी विशिष्ट प्लेटफ़ार्म से मुक्त होगा।

ओएनडीसी वस्तुओं और सेवाओं के आदान-प्रदान संबंधी क्रियाकलापों की सम्पूर्ण श्रृंखला के सभी पहलुओं के लिए ओपन प्रोटोकॉल पर आधारित होगा, जो इंटरनेट पर सूचना के आदान-प्रदान हेतु हाइपरटेक्स्ट ट्रांसफर प्रोटोकॉल, ई-मेल के आदान-प्रदान के लिए सिंपल मेल ट्रांसफर प्रोटोकॉल तथा भुगतान के लिए एकीकृत भुगतान इंटरफेस के समान है।

ये ओपन प्रोटोकॉल, प्रदाताओं और उपभोक्ताओं के बीच सूचना के आदान-प्रदान को सक्षम बनाने के लिए ओपन रजिस्ट्रीज और ओपन नेटवर्क गेटवे के रूप में सार्वजनिक डिजिटल अवसंरचना की स्थापना के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। प्रदाता और उपभोक्ता, सूचना के आदान-प्रदान के लिए तथा ओएनडीसी पर लेन-देन करने के लिए अपनी पसंद की किसी भी सुविधाजनक एप्लिकेशन का इस्तेमाल करने में सक्षम होंगे।

इस प्रकार, ओएनडीसी प्लेटफॉर्म केंद्रित वर्तमान डिजिटल कॉमर्स मॉडल से आगे बढ़ता है जहां खरीदार और विक्रेता को डिजिटल रूप से दिखाई देने तथा व्यावसायिक लेन-देन करने के लिए समान प्लेटफार्म या एप्लिकेशन का इस्तेमाल करना होगा।

(ख): ओएनडीसी प्रोटोकॉल वर्गीकरण, मालसूची के प्रबंधन, ऑर्डर प्रबंधन और ऑर्डर को पूरा करने जैसे कार्यों के मानकीकरण का प्रचालन करेगा। इस प्रकार, छोटे विक्रेता, व्यापारी और किसान व्यवसाय विशिष्ट प्लेटफॉर्म केंद्रित नीतियों द्वारा शासित होने के बजाय किसी भी ओएनडीसी अनुकूल एप्लिकेशन का इस्तेमाल कर सकेंगे। इससे उनको नेटवर्क पर पता लगाने और व्यवसाय करने के अनेक विकल्प मिलेंगे। इससे वे डिजिटल माध्यमों को आसानी से अपनाने के लिए प्रोत्साहित होंगे जो अभी डिजिटल कॉमर्स नेटवर्क पर नहीं है।

(ग): पिछले 3 वर्षों (वर्ष 2019, 2020 और 2021) के दौरान उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा 45,951 कंपनियों को स्टार्टअप्स के रूप में मान्यता प्रदान की गई थी। पिछले 3 वर्षों के दौरान डीपीआईआईटी से स्टार्टअप्स के रूप में मान्यता प्राप्त कंपनियों की वर्ष-वार संख्या निम्नानुसार हैः

वर्ष	**स्टार्टअप्स के रूप में मान्यता प्राप्त कंपनियों की संख्या**
2019	**11,328**
2020	**14,534**
2021	**20,089**
कुल योग	**45,951**

ओएनडीसी वस्तुओं और सेवाओँ के आदान-प्रदान में संलग्न प्रचालनों का मॉड्यूल तैयार करता है। परंपरागत मॉडल में, ई-कॉमर्स प्लेटफार्म को क्रेताओँ, विक्रेताओं, भुगतानों और लॉजिस्टिक्स के लिए सेवाएं सृजित करने होते हैं। ओएनडीसी मॉडल में, एक कंपनी इन सेवाओं में से कोई एक अथवा अधिक सेवाएं प्रदान कर सकती है और नेटवर्क को ज्वाइन कर सकती है। अतः ओएनडीसी में ई-कॉमर्स मूल्य श्रृंखला के किसी भाग के लिए अभिनव और विशिष्ट समाधान का विकास करके तथा ई-कॉमर्स के व्यापक इकोसिस्टम से एकीकृत करने एवं तेजी से बढ़ने के लिए स्टार्टअप्स हेतु बड़े अवसर उपलब्ध कराने की संभावना है।

(घ) और (ङ):ओएनडीसी किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), मंडी, प्रोसेसर, निर्यातकों, एमएसएमई और छोटे खुदरा व्यापारियों को ओएनडीसी नेटवर्क से जोड़ने में सहायता करता है। ओएनडीसी, विक्रेता वर्ग के नेटवर्क भागीदारों को ओएनडीसी नेटवर्क से जोड़ने, तकनीकी के साथ-साथ प्रचालन विश्वसनीयता दोनों के लिए जांच और किसी विक्रेता द्वारा पता लगाए जाने हेतु उनके ब्यौरों की ऑनलाइन उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायता करता है।

(च): स्टार्टअप इंडिया, अटल इनोवेशन मिशन, नाबार्ड और बाम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के सहयोग से जून, 2022 में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)- ओएनडीसी ग्रॉड चैलेंज शुरू किया गया था ताकि ई-कॉमर्स के साथ कृषि और गैर-कृषि क्षेत्र मूल्य श्रृंखला को सक्रिय किया जा सके और ओएनडीसी नेटवर्क पर किसानों, एफपीओ, मंडी, कृषि व्यापारियों, प्रोसेसर, निर्यातकों और खुदरा व्यापारियों को शामिल किया जा सके।

700 से अधिक भागीदारों के साथ यह हैकाथॉन 3 दिनों (1 जुलाई से 3 जुलाई) के लिए आयोजित की गई थी और 12 जुलाई, 2022 को 9 विजेताओं की घोषणा की गई थी।

*****